Hindi Murli Quiz 04-02-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) **साधू-सन्त आदि तो समझते हैं आत्मा निर्लेप है, सभी परमात्मा ही परमात्मा हैं । ....**

A. तो इसका मतलब परमात्मा में खाद पड़ी है |

B. तो इसका मतलब आत्मा ही पतित- पावन है |

C. तो इसका मतलब आत्मा सो परमात्मा है |

Q.2) **सतसंग की आवश्यकता तुम बच्चों को अभी ही है - क्यों?**

(उत्तर एक या एक से ज्यादा भी हो सकते हैं)

A. बाप के संग से आत्मा में पवित्रता का बल आ जाता है, 21 जन्म के लिए उसका बेड़ा पार हो जाता है ।

B. तमोप्रधान आत्मा एक सत बाप, सत शिक्षक और सतगुरू के संग से ही सतोप्रधान अर्थात् काले से गोरी बन सकती है ।

C. बिना सतसंग के निर्बल आत्मा बलवान नहीं बन सकती ।

Q.3) **भल कहते हैं हम सतसंग में जाते हैं परन्तु वह __ में आ जाते हैं ।**

A. अहंकार

B. भक्ति

C. देह- अभिमान

Q.4) **सतसंग करना माना -**

A. बाप की याद में रहना

B. बाप से ज्ञान सुनना

C. सेवाकेंद्र पर ज्ञान सुनने जाना

Q.5) **सतसंग नाम यह ___ चला आता है ।**

A. सतयुग से

B. अविनाशी

C. द्वापरयुग से

D. परम्परा से

Q.6) **बाप वर्ल्ड ऑलमाइटी अथॉरिटी है ना, उन द्वारा बल मिलता है । इसमें सब वेदों-शास्त्रों के आदि-मध्य- अन्त का ज्ञान आ जाता है ।**

A. False

B. True

Q.7) **बाप कहते हैं मैं एक ही बार आता हूँ । अभी आत्मा का परमात्मा से संग होने से तुम 21 जन्म के लिए पार हो जाते हो । फिर तुमको संग लगता है __ का ।**

A. देह

B. काम

C. सन्यासियों

D. भक्ति

E. रावण

Q.8) **याद नहीं करते हैं तो देह- अभिमान में हैं, देह तो असत चीज है ना ।**

A. True / ये वाक्य सही है

B. False / ये वाक्य गलत है

Explanation: अब साइंस का इतना जोर है । सतयुग में कितना उनका बल रहेगा ।

Q.9) **बांधेलियां तन से भल परतन्त्र हैं लेकिन मन से यदि स्वतन्त्र हैं तो अपनी वृत्ति द्वारा, शुद्ध संकल्प द्वारा विश्व के वायुमण्डल को बदलने की सेवा कर सकती हैं । आजकल विश्व को आवश्यकता है मन के शान्ति की । तो मन से स्वतन्त्र आत्मा मन्सा द्वारा शान्ति के वायब्रेशन फैला सकती है । शान्ति के सागर बाप की याद में रहने से आटोमेटिक शान्ति की किरणें फैलती हैं । ऐसे शान्ति का दान देने वाले ही वाचा महादानी हैं ।**

A. सही

B. गलत

Explanation: वाचा नहीं मनसा महादानी

Q.10) **भक्ति भी पहले अव्यभिचारी है फिर गिरते-गिरते व्यभिचारी भक्ति होने से तमोप्रधान बन जाते हैं फिर उनको सत का संग जरूर चाहिए ।**

A. False / ये वाक्य गलत है

B. True / ये वाक्य सही है